A–0113

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BAHL 102

BACHELOR OF ARTS (BA)

गद्य साहित्य-2 एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. हिंदी नाटक के उद्‌भव और विकास पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

2. पत्राचार से आप क्या समझते हैं? एक आदर्श पत्र लेखन के महत्व व रूप पर प्रकाश डालिए।

3. निबंध किसे कहते हैं ? निबन्ध का तात्विक विवेचन कीजिए।

4. स्मारक साहित्य किसे कहते हैं ? स्मारक साहित्य की प्रमुख विधाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का जीवन परिचय देते हुए निबन्ध 'करुणा' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

2. आत्मकथा किसे कहते हैं ? 'अपनी खबर' आत्मकथा का सार लिखिए।

3. जीवनी साहित्य की परिभाषा देते हुए उसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

4. गद्य साहित्य से आप क्या समझते हैं ? उपन्यास, कहानी और नाटक का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।

5. महादेवी वर्मा कृत संस्मरण 'पथ के साथी' अपनी आत्मीयता एवं सहज संप्रेष्य शैली में विशिष्ट रचना है स्पष्ट कीजिए।

6. प्रयोजनमूलक हिंदी से आप क्या समझते हैं ? लिखिए।

7. पत्राचार के प्रमुख अंगो का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

8. 'चंद्रगुप्त' नाटक का सार अपने शब्दों में लिखिए।

****